महाराणा प्रताप जयंती पर भव्य गौरव यात्रा

महामंडलेश्वर बोले- क्षत्रिय की भाषा, भोजन और भावना सुरक्षित

खंडवा-वीर पराक्रमी महाराणा प्रताप जयंती पर राजपूत समाज ने भव्य गौरव यात्रा निकाली। खंडवा शहर की सड़कों पर महाराणा प्रताप और भारत माता के जयघोष गूंजते रहे। साफा-पगडी धारण किए राजपूत सरदार और पारंपरिक वेशभूषा में शामिल क्षत्राणियों के जोश के आगे भगवान सूर्य ने भी नरमी बरत ली थी। अनाज मंडी प्रांगण से निकली गौरव यात्रा में साढ़े 5 हजार (प्रशासनिक आंकडा) लोग शामिल हुए। यात्रा समापन के बाद धर्मसभा हुई, यहां 6 हजार लोग शामिल हुए। धर्मसभा को महामंडलेश्वर स्वामी विवेकानंद पुरी महाराज ने संबोधित किया।

महामंडलेश्वर बोले- क्षत्रिय की भाषा, भोजन और भावना सुरक्षित

धर्मसभा को संबोधित करते हुए महामंडलेश्वर स्वामी विवेकानंद पुरी ने कहा कि, महाराणा प्रताप जयंती पर गौरव यात्रा निकालना ब?ा सौभाग्यशाली है। मैं बग्घी में बैठकर शहरभर में देखा कि लोगों में कितना उत्साह है, उमंग और साहस है। भरी गर्मी और इतनी संख्या में समाजजनों की भागीदारी ने मुझे आचंभित कर दिया है। मैं इस तरह के आयोजन के लिए प्रति वर्ष मेरी तरफ से सवा लाख रूपए दूंगा।

स्वामी जी ने कहा कि, गर्व होना चाहिए कि, आपने राजपूत वंश के साथ इस भारत भूमि की मिट्?टी पर जन्म लिया है। क्षत्रियों की परपंरा पूरे देशभर में अलग-अलग है। हमें इन परंपरा को बचाकर रखना चाहिए। माता-बहनों पर निर्भर करता है कि, वो बच्चों को अच्छे संस्कार दे। बच्चों को महाराणा प्रताप की गौरव और शौर्य गाथा सुनाएं। क्षत्रियों में खास बात यह है कि, भाषा, भोजन पद्वति और भावना की आज भी सुरक्षित है। वरना हमारा भोजन तो जोमेटो और स्वीगी तय करता है कि हमें खाने में क्या लेना है। 400 रूपए में पिज्जा मिलता है, जबकि इतने रूपए में चाय, नाश्ता से लेकर फाफडा, जलेबी, पोहा के साथ भरपेट भोजन मिल जाता है।

समाज के वरिष्ठों का संदेश- वक्त है एकजुट हो जाओ

धर्मसभा के जरिये जैविक खेती, पर्यावरण संरक्षण और कुटुम्ब प्रणाली पर जोर देने की बात कही गई। ठाकुर राजनारायणसिंह ने कहा कि, वक्त के साथ हमें एकजुट हो जाना चाहिए। पूरी दुनिया में एकमात्र क्षत्रिय वंश ऐसा है, जिसमें दो गुण ज्यादा है। पहला युद्व में राजपूत का सिर धड से अलग हो जाए फिर भी धड़ तलवार चलता है। अकेला धड रण भेदता है। और इस बीच क्षत्रिय के साथ कोई अनहोनी हो जाए तो क्षत्राणियां सतीत्व त्याग देती है।

धर्मसभा को अवधेशसिंह सिसौदिया, नरेंद्रसिंह तोमर, हर्षवर्धनसिंह चौहान, संटू दादा तोमर, भावनासिंह भदौरिया, डॉ. एसएस चौहान, राजपालसिंह चौहान आदि ने संबोधित किया। समाज में एकजुटता और हमेशा निचले तबके के साथ खडा होने की बात कही। मंच का संचालन मंगलेशसिंह तोमर ने किया। राजपालसिंह तोमर, उत्तमपालसिंह पुरनी, भूपेंद्र सिंह चौहान, आनंदपाल तोमर, इंदलसिंह पंवार, महेंद्रसिंह सावनेर, रामपालसिंह केहलारी, नारायणसिंह तोमर, राजबहादुरसिंह राठौड़, जितेंद्रसिंह धारकवाड़ी, आशीष राजपूत, भानुप्रताप पटेल, शिवा पंवार, मोहनसिंह सावनेर, आलोकसिंह रावत, राजकुमारीसिंह, अंजलीसिंह, आरतीसिंह, अनितासिंह, संतोष राठौ? आदि मौजूद रही।

गौरव यात्रा का जगह-जगह हुआ भव्य स्वागत

गौरव यात्रा दोपहर 12.30 बजे अनाज मंडी प्रांगण से शुरू होकर बजरंग चौक, कहारवाडी, बस स्टैंड से रेलवे स्टेशन, बांबे बाजार, घंटाघर, नगर निगम होते हुए वापस जलेबी चौक और मंडी प्रांगण पहुंची। पुलिस विजिलेंस के अनुसार, यात्रा में उन्होंने करीब साढ़े 5 हजारों लोगों के शामिल होने का आंकलन किया है। गौरव यात्रा का भाजपा, कांग्रेस सहित भील समाज, गुर्जर समाज, विश्व हिंदू परिषद, नगर निगम आदि सामाजिक संगठनों ने जगह-जगह फूल बरसाकर स्वागत किया। यात्रा में आगे-आगे घोडों पर युवतियां सवार थी। बग्घी पर महामंडलेश्वर स्वामी विराजमान थे। डीजे, बैंड-बाजों पर महाराणा प्रताप के शौर्य गीतों को सुनाया गया। सैनिक और पूर्व सैनिकों का सम्मान करके सहभोज के बाद कार्यक्रम का समापन हुआ।